पाठ 13

अगर नाक न होती

आइए सीखें - ■गद्य में हास्य-व्यंग्य विधा से परिचित होना। ■व्यंजनात्मक अर्थ ग्रहण करना। ■मुहावरों की समझ। ■शिष्ट मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं विसंगतियों के प्रति सजगता। ■हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी शब्दों की पहचान। ■क्रिया परिवर्तन।

कितना अच्छा होता, अगर नाक न होती। नाक की चिन्ता में आदमी का जीना मुहाल हो गया है। नाक रखने की खातिर लोग मुकदमेबाजी में बरबाद हो जाते हैं, कर्ज लेकर भी ब्याह-शादी, भात-छोछक आदि में अंधाधुंध खर्च करते हैं। जन्म पर ही नहीं, मृत्यु पर भी दावत खिलाते हैं। खरीदने की औकात न होने पर भी महँगी किश्त देकर टी.वी., फ्रिज या कूलर आदि ले आते हैं, क्योंकि नाक नीची होने से डरते हैं। लोग अपनी धाक जमाने के लिए नाक ऊँची रखते हैं।

नाक के कारण आदमी को नाकों चने चबाने पड़ते हैं। नाक बड़ी जल्दी कटती है और प्रायः बिना किसी हथियार के ही कट जाती है। आदमी की अपनी नाक के साथ खानदान की नाक भी जुड़ी रहती है। कभी कोई ऐसी-वैसी बात हो जाए, लड़का घर से रूठ कर भाग जाए, कोई झूठा-मूठा इलजाम जान को लग जाए, तो अपनी ही नहीं, पूरे खानदान की नाक कट जाती है।

यह भी एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि जिनकी नाक कट जाती है यानी जो खुद नकटे होते हैं, वे दूसरों को भी नकटा देखना चाहते हैं।

'मान न मान मैं तेरा मेहमान' की तरह जुकाम आकर पसर जाता है और नाक में दम कर देता है। नाक तब बहुत बुरी लगती है, जब वह किसी शुभ कार्य के वक्त अनायास छींक मार देती है। वास्तव में नाक और छींक दोनों सहेली हैं, पर ज्यादातर लोग उन्हें अकेली ही देखना पसन्द करते हैं।

एक तरफ लोग छींक की वजह से झींकते हैं, तो कुछ लोग नाक में फुरेरी डालकर जान-बूझ कर छींकते हैं।

जब आदमी का बुरा वक्त आता है या उसे किसी से कोई काम करवाना होता है, तब वह सारी हेकड़ी भूल जाता है। एक बार क्या हजार बार नाक रगड़ता है। जब कोई गलती हो जाती है, तब भी आदमी को अपनी नाक रगड़नी पड़ती है। जिन लोगों में बदले या ईर्ष्या की भावना होती है, वे भी मौके की तलाश में रहते हैं कि कब, कैसे किसी की नाक रगड़वा दें।

जिन्दगी में हँसना-गाना ही नहीं, रोना भी पड़ता है। हँसने की बात छोड़िए पर रोते समय आँखों में आँसू आते हैं, तो नाक भी उनका साथ निभाती है। बहते आँसुओं को पोंछना कोई बुरी बात नहीं, लेकिन नाक पोंछने

शिक्षण संकेत - ■ बच्चों को बताइए कि जैसे चेहरे पर नाक ऊँची होती है उसी प्रकार व्यक्ति समाज में ऊँचा या बड़ा बनना चाहता है इसलिए नाक को प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया है। ■ हास्य व्यंग्य का उद्देश्य शिष्ट मनोरंजन एवं सामाजिक विसंगतियों का विरोध करना है न कि किसी का उपहास करना।

से तो रोने का सारा मजा ही किरकिरा हो जाता है।

गुस्सा भी बहुत से लोगों की नाक पर रखा रहता है। उनसे जरा कुछ कहा नहीं कि बिना बात नाक फुला लेते हैं। नाक में जितनी कमियाँ या बुराइयाँ हैं, उससे ज्यादा अच्छाइयाँ हैं। इसलिए जिनकी नाक नहीं होती, वे भी नाक लगाते हैं, भले ही इस बात पर कोई दूसरा नाक-भौंह सिकोड़े तो सिकोड़ता रहे।

नाक रहना बहुत जरूरी है। वैसे भी और चेहरे पर भी। नाक चाहे सारस जैसी लम्बी हो या चिलगोजे जैसी छोटी, चोथ जैसी चपटी हो अथवा पकौड़ा जैसी मोटी, लेकिन होनी जरूर चाहिए। जिसके नाक न हो, उसकी कोई सूरत देखना भी पसन्द न करेगा बल्कि देखकर डरेगा। भला बिना छज्जे के मकान का फ्रंट शोभा देता है?

नाक हो और सुन्दर हो तो सोने में सुहागा है। इसीलिए कवियों ने नख-शिख-वर्णन के अन्तर्गत और फुटकर रूप में भी नाक का काफी वर्णन किया है। उसे सोने की हीरे-मोती जड़ी नथ, नथुनी, लौंग, बुलाक आदि से सजाया है।

मध्यकालीन काव्य में नायिकाओं की नाक के लिए बहुत सी उपमाएँ दी गई हैं। नाक को चम्पे की कली, तिल के सुगन्धित फूल से निर्मित और तलवार की धार से बढ़कर बताया गया है। यहाँ तक तो ठीक है, पर एक बात समझ में नहीं आती कि अधिकांश कवियों ने नाक की उपमा तोते की चोंच से क्यों दी है? सोचने की बात है कि ऐसी नाक किसी चेहरे पर चार चाँद लगाएगी या दीवार में ठुके हुए उलटे हुक सी नजर आएगी?

उपन्यास कहानियों में सुन्दर नाक को ''सुतवाँ'' नाक कहा जाता है। ऊँची और दीर्घ नाक की तुलना कुल्हाड़ी से की जाती है। छोटी और सुकोमल नासिका को भेड़ की-सी नाक की संज्ञा दी जाती है।

नाक शरीर का सबसे अधिक महत्वपूर्ण अंग है। अगर चित्त लेटकर देखें, तो यह बात अपने आप सिद्ध हो जाएगी कि हाथ, पाँव, मुँह, कान, आँख आदि में सबसे ऊँचा स्थान नाक को ही प्राप्त है। अगर आँख आ जाए या चली जाए तो ऐसी स्थिति में काला चश्मा लगाया जा सकता है। कान कट-फट जाए, तो उसे कन्टोपा पहनकर छिपाया जा सकता है, लेकिन अगर कहीं नाक कट जाए तो चेहरा रेगिस्तान की तरह एकदम सपाट अथवा चक्की का-सा पाट नजर आएगा। हालाँकि प्लास्टिक सर्जरी द्वारा उसका इलाज हो सकता है परन्तु वह इतना महँगा पड़ेगा कि बड़े-से-बड़े नक्कूशाह को भी नानी याद आ जाएगी।

कुछ लोग नाक पर मक्खी तक नहीं बैठने देते। बहुत से ऐसे भी होते हैं कि जब वे कुम्भकर्ण की भाँति सोते हैं, तो उनकी नाक नक्कारे-सी बजती है। कई लोगों की नाक के नीचे कुछ भी होता रहे, पर वे दीन-दुनिया से बेखबर बने रहते हैं। ऐसे लोगों की भी कमी नहीं जो दूसरों को नाक नचाते हैं। किसी की नाक पर दे मारना भी कई लोग अपनी शान समझते हैं। कुछ लोग सचमुच नाकदार होते नहीं, पर बनते हैं, खैर, जो भी हो, नाक रहने में ही भलाई है। नाक न होती, तो खुशबू और बदबू में क्या अन्तर रह जाता? नाक के अभाव में चन्दन, कपूर, इत्र-फुलेल आदि सब बेमानी हो जाते। असली हींग और देसी घी की पहचान कैसे होती?

अब लोगों की नजरों में फर्क आता जा रहा है। कहीं नजर उठ रही है, कहीं गिर रही है, कहीं गड़

रही है और इसी के साथ चश्मों की जरूरत भी बढ़रही है। चश्मा चाहे नजर बढ़ाने का हो या नजरें चुराने का, चाहे धूप से बचाने का हो अगर नाक न होती तो बताइए, यह चश्मा कहाँ ठहरता? नाक ही तो चश्में का अच्छा-खासा स्टैण्ड है।

सिर और मुँह के बीच, नाक कटलेट की भाँति रहती है, पर हकीकत यह है कि इसे खाने की नौबत नहीं आती। लोग जब चाहे किसी का सिर खा सकते हैं, दिमाग और खोपड़ी चाट सकते हैं, पर नाक के साथ ऐसा कुछ नहीं हो सकता। अच्छे-अच्छे चटोरों को भी यहाँ मुँह की खानी पड़ती है।

नाक के और भी बहुत से फायदे हैं। उच्छ्वास और निःश्वास का कार्य मुँह से किया जा सकता है, पर प्राणों का आधार श्वास है और श्वास लेने का साधन नाक ही है। नाक की गड़बड़ी से आदमी नकियाने लगता है, वह नकसुरा कहलाता है।

नाक हीटर का काम भी करती है। बाहर की ठण्डी हवा को गरम करके अन्दर पहुँचाती है और ठण्ड लगने से बचाती है। आजकल पर्यावरण-प्रदूषण जोरों पर है। वातावरण में व्याप्त प्रदूषण को फेफड़ों तक जाने से नाक ही रोकती है। नाक में उगे बाल छन्ने और झाड़ू का काम करते हैं।

बहुत से लोग मतलब साधने के लिए अपने मालिक की नाक के बाल बन जाते हैं।

जिस प्रकार अँगूठा दिखाने, आँख दिखाने, दाँत दिखाने, पीठ दिखाने आदि के मुहावरे प्रचलित हैं, दुर्भाग्य कहें या सौभाग्य, नाक दिखाने का कोई मुहावरा नहीं है। हाँ, यदि नाक बीमार पड़ जाए तो कोई कितना ही नक्कू क्यों न हो, उसे भी मजबूर होकर नाक दिखाने के लिए किसी नाक वाले डॉक्टर की शरण में भागना पड़ता है।

- गोपाल बाबू शर्मा

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए -

मुहाल	-	फुरेरी	-
औकात	-	चोथ	-
हेकड़ी	-	सुतवाँ	-
फ्रन्ट	-	उच्छ्वास	-
नक्कूशाह	-	नाक रखना	-
निःश्वास	-	नाक जमाना	-
नाक नीची होना	-	नाकों चने चबाना	-
नाक बचाना	-	मान न मान मैं तेरा मेहमान	-
गुस्सा नाक पर रखा होना	-	नाक फुलाना	-
हाथ के तोते उड़ जाना	-	चार चाँद लगाना	-
नानी याद आना	-	नाक पर मक्खी तक	
		न बैठने देना	-
न बैठने देना	-	नाक के नीचे होना	-

नाक रगड़ना	-	नाक रहना	-
सिर खाना	-	मुँह की खान	-
नाक का बाल बनना	-	दाँत दिखाना	-
आँख दिखाना	-	पीठ दिखाना	-

अभ्यास

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) नाक को किस बात का प्रतीक माना जाता है?

(ख) आदमी सामान्यतः नाक रगड़ने को कब मजबूर हो जाता है?

(ग) असली हींग और देशी घी की पहचान में नाक का क्या उपयोग है?

(घ) नाक हीटर का काम कैसे करती है?

(ङ) नाक में कौन से आभूषण पहने जाते हैं?

(च) नाक के लिए दी गई कोई चार उपमाएँ लिखिए।

2. इन कर्मेन्द्रियों को उनके कार्य से मिलाओ और सामने लिखो -

(क)	आँख	-	सूँघना	(क)	....	....
(ख)	कान	-	छूना	(ख)	....	....
(ग)	नाक	-	देखना	(ग)	....	....
(घ)	मुँह	-	सुनना	(घ)	....	....
(ड़)	त्वचा	-	चखना	(ड़)	....	....

भाषा अध्ययन

1. पाठ में तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्द आए हैं, जैसे -

मनोवैज्ञानिक	(तत्सम)	ब्याह	(तद्भव)
छोछक	(देशज)	कलर	(विदेशी)

इस पाठ में से इसी प्रकार के तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्द छाँटकर लिखिए।

2. निम्नलिखित सम्बन्ध बोधक अव्ययों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए -

जैसे- आदमी की अपनी नाक **के साथ** खानदान की नाक भी जुड़ी रहती है।

के सामने, के बिना, के नीचे, के ऊपर, की ओर, के बदले, की अपेक्षा, के साथ

3. 'नाक' शब्द से अनेक मुहावरें बनते हैं। निम्नलिखित तालिका में उदाहरण के अनुसार 'नाक' शब्द जोड़कर मुहावरे बनाइए -

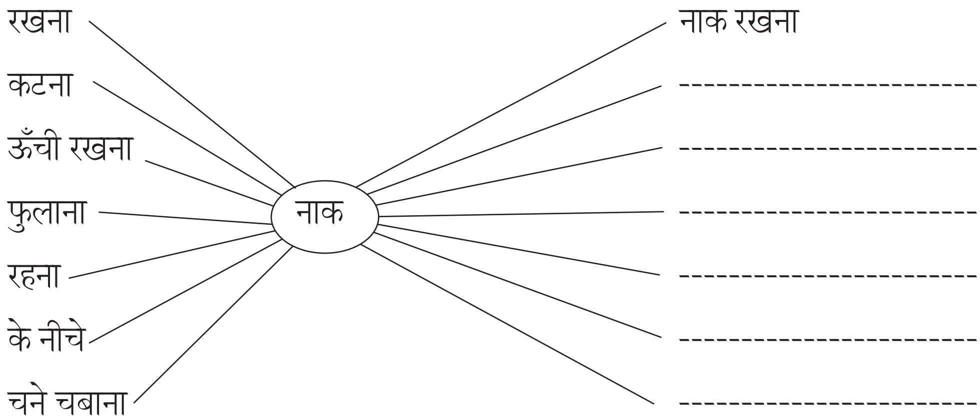

इन मुहावरों के अर्थ भी समझकर लिखिए -

4. कुछ शब्दों के पीछे 'दिखाना' शब्द जोड़ने से मुहावरे बन जाते हैं। निम्नलिखित तालिका में दिए गए उदाहरण के अनुसार मुहावरे बनाकर, उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

अनेक शब्द	शब्द	बना मुहावरा	वाक्य प्रयोग
आँख		आँख दिखाना	....
अँगूठा		....	....
दाँत	दिखाना	....	....
पीठ		....	....
जीभ		....	....
आईना		....	....

5. 'कितना' और 'अगर' शब्द लगाकर 5 वाक्य बनाओ जैसे 'कितना' अच्छा होता 'अगर' नाक न होती ?

6. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार बदलिए -

उदाहरण : उसे किसी का कोई काम करना होता है।

उसे किसी का कोई काम करवाना होता है।

(क) वे मौके की तलाश में रहते हैं कि कब, कैसे, किसी की नाक रगड़ दें।

(ख) यह कोशिश रहती है कि उसकी नाक न कटे।

(ग) आज तुम्हें अच्छा गाना सुनाती हूँ।

(घ) सेठ जी अपने बच्चे के जन्मदिन पर सभी को दावत खिलाते हैं।

7. उदाहरण के अनुसार क्रिया रूप परिवर्तन करके लिखिए -

उदाहरण -	लाना	लेकर	लिया
	खाना	....	....
	जाना	....	....
	गाना	....	....
	पढ़ना	....	....
	हँसना	....	....
	रोना	....	....
	सोना	....	....
	धोना	....	....

8. नीचे उर्दू के शब्द दिए गए हैं उनके हिन्दी शब्द लिखिए -

जैसे- दाखिला प्रवेश

औकात, आदमी, खानदान, इलजाम, वक्त, तलाश, जिंदगी, मर्द

योग्यता विस्तार

1. इस पाठ में नाक से संबंधित कई मुहावरे आए हैं। आँख, कान, मुँह तथा शरीर के अन्य अंगों से संबंधित मुहावरों को लिखिए।
2. सामाजिक विसंगतियों पर आधारित दूसरे व्यंग्य लेख पढ़िए।
3. 'अगर कान न होता' या 'अगर बाल न होते' विषय पर हास्य व्यंग्य युक्त एक छोटा सा लेख लिखिए।
4. नाक से जुड़ी कोई अन्य कहानी या लोककथा का पता कीजिए और उसे कक्षा में सुनाइए।

अहंकार सब गुणों को नष्ट कर देता है।

विविध प्रश्नावली - 2

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) खान क्या काम करता था?

(ख) मिसाइल मैन के नाम से कौन प्रसिद्ध है और क्यों?

(ग) सुभाषचन्द्र बोस ने माण्डले जेल से किसको पत्र लिखा था तथा उसमें किस विषय पर चर्चा की थी?

(घ) तात्या कौन थे तथा वे किसके सहयोगी थे?

(ड.) हमारे प्रदेश में कौन-कौन से राष्ट्रीय उद्यान हैं?

(च) गौरैया के विषय में पाँच वाक्य लिखिए?

(छ) नींव का पत्थर कौन है तथा क्यों?

प्रश्न 2. किसने किससे कहा -

(क) ऐसी बात मत कहो अम्माँ, बेटे को भी क्या कभी माँ से डर हुआ है?

(ख) आज हमें स्वामीभक्त से ज्यादा देशभक्तों की आवश्यकता है?

(ग) स्वराज्य की लड़ाई स्वराज्य मिलने पर ही शान्त हो सकती है?

(घ) राष्ट्रीय उद्यान कौन बनाता है? दीदी!

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) सफेद बाघ.......................राष्ट्रीय उद्यान में है।

(ख) सबसे तेज दौड़ने वाला प्राणी...................हमारे देश से पूरी तरह विलुप्त हो गया है।

(ग) डॉ.कलाम फुर्सत के क्षणों में..........................बजाते थे।

(घ) मेरे मटमैले आँगन में.............................गौरैया।

प्रश्न 4. भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) पैसों के लिए विदेश नहीं जाऊँगा, भविष्य सँवारने के मोह में देश सेवा का अवसर हाथ से जाने नहीं दूँगा।

(ख) जो कुछ करना है, उठो! करो जुट जाओ।

जीवन का कोई क्षण, मत व्यर्थ गँवाओ।

(ग) मोहन-मुख रिस की ये बातें जसुमति सुन-सुन रीझै।

(घ) मैंने अपना नीड़ बनाया, तिनके-तिनके चुन-चुन।

(ड.) हमारे युवकों को सपने देखना ही चाहिए। सपनों को विचारों में बदलना चाहिए।

प्रश्न 5. वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

(क) मुहावरे -

नींद खुलना, नाक कटना, आँख का तारा, नौ दो ग्यारह होना, श्री गणेश करना, प्राण मुरझा जाना

(ख) शब्द

अन्वेषक, दुश्मन, तलवार, अधिकार, वीरगति, शहीद, वैज्ञानिक

प्रश्न 6. दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प पर ३ का निशान लगाइए -

(क) 'गुरु-शिष्य' में समास है।

अव्ययी भाव, बहुब्रीहि, द्वन्द्व

(ख) 'समाज' में 'इक' प्रत्यय लगने पर शब्द बनता है।

समाजिक, सामाजिक, समाजइक

(ग) 'परिधान' शब्द में उपसर्ग है।

प, पर, परि

(घ) 'नदी' शब्द का पर्यायवाची है।

सरिता, गंगा, आकाश

(ड.) जिस समास में एक पद विशेषण और दूसरा विशेष्य होता है, उसका नाम है।

द्विगु, कर्मधारय, द्वन्द्व

(च) निम्नांकित में से अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है -

(क) मैया, मोहि दाऊ बहुत खिझायो

(ख) दाऊ कबहुँ न खीझै

(ग) बैठे जाइ मथनिया के ढिंग

(छ) 'आग' का तत्सम शब्द है।

अगनी, अग्नि, अगन

(ज) 'दूध' का तत्सम शब्द है।

दुध, दुगध, दुग्ध

प्रश्न 7. (क) निम्नांकित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए -

प्रछेपण, किर्तिमान, भास्यकार, सान्तवना, विस्रान्ती, साम्प्रदयिक, विस्वविख्यात, स्वराज

(ख) निम्नांकित शब्दों में भेद समझते हुए एक-एक वाक्य बनाइए -

पिता - पीता, सुना - सूना, हंस - हँस

प्रश्न 8. 'अनु' तथा 'आ' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए -

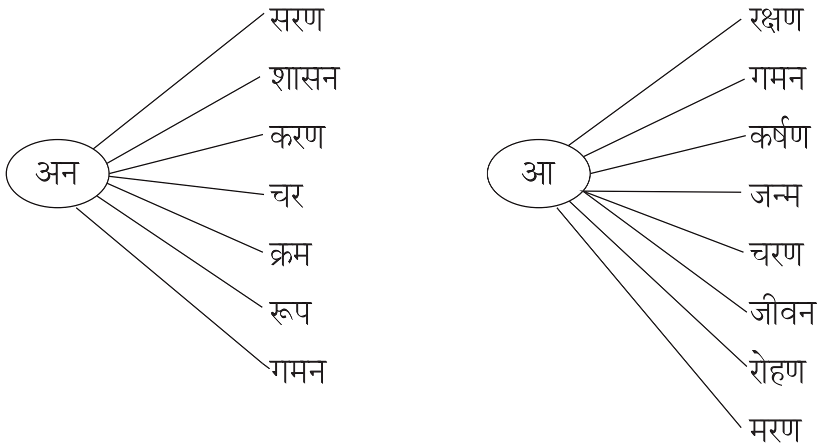

प्रश्न 9. निम्नलिखित वाक्यों में कारक चिह्न को पहचान कर लिखिए कि वह किस कारक का वाक्य है -

(क) मध्य-प्रदेश देश का अग्रणी प्रान्त है। ....

(ख) अब्दुल कलाम के लिए दो रास्ते थे। ....

(ग) राष्ट्रीय उद्यान में खेती करना मना होता है। ....

(घ) लोकमान्य तिलक ने गीताभाष्य ग्रन्थ का प्रणयन किया। ....

प्रश्न 10. नीचे कुछ अनुच्छेद दिए गए हैं उनमें विराम चिह्न नहीं है, आप इनमें यथा स्थान विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखिए -

(क) मेरे देखते-देखते क्या से क्या हो गया जूही झाँसी कालपी ग्वालियर कहाँ से कहाँ पहुँच गई

(ख) जब खान ने हींग तौलकर पुड़िया बनाकर सावित्री के सामने रख दी तब सबसे छोटे बच्चे ने पुड़िया उठाकर खान के पास फेंकते हुए कहा ले जाओ हमें नहीं लेना है चलो माँ भीतर चलो

(ग) बांावगढ़उमरिया जिले में स्थित है उमरिया के अलावा रीवा शहडोल जबलपुर और कटनी नगरों से भी यहाँ के लिए बसें मिलती हैं

प्रश्न 11. नीचे दी गई वर्ग पहेली में मुहावरे छुपे हैं, उन्हें ढूंढ़िए तथा लिखिए -

खून	चल	बसना	जहर
पसीना	आँखें	खुलना	उगलना
एक	कान	बिछाना	मुँह
करना	भरना	की	छिपाना
अन्धे	नाक	खाना	-
की	में दम	कट	जाना
लाठी	करना	भौं	चढ़ाना

प्रश्न 12. सही जोड़ी मिलाइए -

जिसके आने की तिथि मालूम न हो।	लम्बोदर (गणेश)
जिसके दस आनन हैं।	साक्षर
जो बहुत बोलता है।	संगीतज्ञ
जो पढ़ना-लिखना जानता है।	अतिथि
जो संगीत जानता है।	वाचाल
जिसका उदर लम्बा है।	दशानन (रावण)

प्रश्न 13. अपने शब्दों में लिखिए -

(क) क्या संघर्ष करने से सफलता मिलती है?

(ख) डॉ. अब्दुल कलाम का जीवन आपको क्या प्रेरणा देता है?

(ग) आपने कोई दर्शनीय स्थान तो अवश्य देखा होगा, उस रोचक यात्रा का वर्णन लिखिए।

(घ) आपको कौन सी कविता अच्छी लगती है कारण सहित लिखिए।

प्रश्न 14. 100 शब्दों में निबन्ध लिखिए -

(क) म.प्र. के राष्ट्रीय उद्यान।

(ख) विज्ञान और जीवन।

प्रश्न 15. अपने विद्यालय के प्रधान अध्यापक को मामा की शादी में जाने हेतु अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।